

बुधवार, 16 जुलाई 2025

वर्ष 3, अंक 332, पृष्ठ 16

2 राज्य, 6 संस्करण

मूल्य 6 रुपये



www.amritvichar.com

अमृत विचार

अयोध्या

एक सम्पूर्ण अखबार



बेटोजगारी दर जून में 5.6 प्रतिशत पर स्थिर

12

आतंकवाद को बर्दाश्त न करने पर अंडिग रहेगा भारत



...कुछ नया जन्म
लेने वाला है

नई सोच हमेशा नई राहों पर ले जाती है।
इसी तरह नई शुरुआत नए जीवन से रु-ब-रु कराती है।
यही निरंतरता की स्थिति होती है।

शुभांशु की वापसी पर झूमे लोग

कार्यालय संचाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: शुभांशु शुक्ला के सेसएक्स क्रू इंग्लैन अंतरिक्ष यान ने मंगलवार को भारतीय समयानुसार अपराह्न 3:01 बजे जैसे ही प्रशान्त महासागर के कैलीफॉर्निया तट पर सफल लैंडिंग की, देशवासी खुशी व गर्व से झूम उठे। सिर्टी मार्टिसी स्कूल (सीएमएस), कानूनुर रोड ऑडिटोरियम में शुभांशु के माता-पिता और परिज्ञानों के साथ सैकड़ों लोगों ने इस ऐतिहासिक क्षण को लाइव देखा। जैसे ही कैप्सूल ने प्रशान्त महासागर की सतह को छुआ, ऑडिटोरियम का माहौल अत्यन्त भाऊक हो उठा। पूरा ऑडिटोरियम भारत माता की जय के नारे व तालियों की गड़गड़ाहट से गंज उठा।

शुभांशु 25 जून को फालकन-9 रॉकेट से अंतरिक्ष की उड़ान पर रवाना हुए थे। 26 जून को अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर जुड़ गए थे। उन्होंने अंतरिक्ष में 18 दिन बिताए। 310 से अधिक कक्षाएं पूरी कीं और लगभग 1.3 करोड़ किमी की दूरी तय की। इस दैरान उन्होंने इसरो द्वारा सौंपे गए सातों गुरुत्वाकर्षण प्रयोगों को सफलतापूर्वक पूरा किया। मासपैश पुनर्जनन, टार्डिंग्रेट परिष्कार, बीज अनुकूल, शैवाल संवर्धन, फसल सहनशीलता, विकिरण प्रवाह एवं मानव शरीर विज्ञान संबंधी अध्ययन शामिल थे। ये प्रयोग भारत के आगामी गगनयान कार्यक्रम हेतु अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। शुभांशु के अन्तरिक्ष यान के पानी में उत्तरन के साथ ही सीएमएस प्रबंधन एवं शुभांशु के परिवार ने त्रि-स्तरीय केक काटा। इस केक के तीन स्तर लाल, आईएसएस पर प्रवास और धरती पर वापसी के प्रतीक स्वरूप हैं। इस अवसर पर पूरा ऑडिटोरियम तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। इस अवसर पर शुभांशु के पिता शम्भू दयाल शुक्ल ने भावुक होकर कहा कि यह उपलब्धि यात्रा के अंतिम चरण में यह कॉल शुभांशु के भावनामुक रही। शुभांशु का रिटर्न कैप्सूल पृथ्वी की ओर बढ़ रहा है, उनके पिता शम्भू दयाल शुक्ला ने बाबार सुबह सुदरकांड का पाठ किया।

पिता ने किया सुंदरकांड पाठ

अंतरिक्ष से लौटते समय देशभर की नजरें जिस वीर बेटे पर टिकी थीं। उसके परिवार ने रात भर ईश्वर से उसकी सलामती की प्रार्थना की। लखनऊ निवासी अंतरिक्ष यात्री गुप्त कैटन शुभांशु शुक्ला के परिवार के लिए बीती रात बैहद नानापूरों और भावनामुक रही। शुभांशु का रिटर्न कैप्सूल पृथ्वी की ओर बढ़ रहा है, उनके पिता शम्भू दयाल शुक्ला ने कहा कि शुभांशु की सफलता ने हमारे छात्रों की कल्पनाशक्ति को पंख दिए हैं। वह सीएमएस के

पूरी रात जागते रहे

शुभांशु ने बताया, हमारे लिए बीती रात बहुत भीषण रही। नीद नो जैसे आँखों से कासों दूर थी। बास भगवान से यहीं प्रार्थना कर रहे थे कि हमारा बेटा सुरक्षित जपीन पर उतर जाए। यो जिस तरीके से एक बंद कैप्सूल में आ रहा था, उसे सोचकर दिल बैठा जा रहा था।

शुभांशु का मानो दूसरा जन्म हो

शुभांशु की वापसी को परिवार पुनर्जनन के तीर पर देख रहा है। बहन शुभि कहती है, जैसे ही पृथ्वी से किसी और ही दुनिया में गए और अब वापस लौट रहे हैं। नए अनुभवों और यादों के साथ। जैसे ही फिर से जन्म लेकर आ रहे हैं। मां आशा ने बताया कि मिशन के अंतिम चरण में उन्होंने घर पर 18 दिन तक विशेष पूजा करवाई। हमारे लिए यो दोबारा जन्म लेकर आ रहा है।

- सीएमएस, लखनऊ ऑडिटोरियम में संगीत प्रसारण देख रहे लोगों ने एक दूसरे को दी बधाई
- शुभांशु के पिता ने कहा- बेटे की अंतरिक्ष यात्रा भारतवासियों के सामूहिक विश्वास का परिणाम

आदर्श वाक्य 'जय जगत' का जीवंत उदाहरण है और सिद्ध करते हैं कि अंतरिक्ष कोई कल्पना नहीं, बल्कि हमारा भवित्व है। सीएमएस अलीजंज कैप्सूल, जहां शुभांशु ने शिक्षा प्राप्त की थी, वहां के छात्र भी अत्यधिक प्रेरित दिखते हैं। कक्षा 9 की छात्रा अनन्या मिश्रा ने कहा कि अब मैं भी अंतरिक्ष यात्री बनना चाहती हूं और वो कर सकते हैं, तो मैं भी कर सकती हूं। कक्षा 11 के आदित्य वर्मा ने कहा, 'पहले यह सपना दूर लगता था। आज यह वास्तविक है।'

सीएमएस की संस्थापक-निदेशिका डा. भारती गांधी ने समापन में कहा, 'शुभांशु हमारे मार्गदर्शक सितरे हैं। साक्षात् प्रमाण है कि यहरे मूल्यों और साहसी सपनों के साथ सितारों तक पहुंचा जा सकता है।'



आईएसएस से आखिरी कॉल कर रहा हूं मां - शुभांशु

लखनऊ। यह मेरी इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) से आखिरी कॉल है... अब लौट रहा हूं, जल्द मिलूँगा। एस्ट्रोनॉट गुप्त कैटन शुभांशु शुक्ला ने जैसे ही ये शब्द कहे, लखनऊ स्थित उनके घर में कुछ देर के लिए सन्नाटा छा गया और परिवार के लोगों की आंखें खुशी के आंसूओं से लुलक उठीं। 18 दिनों की ऐतिहासिक अंतरिक्ष यात्रा के अंतिम चरण में यह कॉल शुभांशु के भावनामुक रही। उपरिवार के लिए सन्नाटा छा गई। सोमवार सुबह 4:30 बजे प्रिमिसओम मिशन-4 के तहत शुभांशु का आईएसएस से अनडाकिंग शेड्यूल थे। उसी से कुछ घंटे पहले उन्होंने अपने माता-पिता को सेटेलाइट कॉल की। यह बात चीत परिवार के दिल में होमेशा के लिए दर्ज हो गई।

ये कॉल अलग थी

शुभांशु की बहन शुभि मिश्रा ने कहा कि, अब तक की हर कॉल में हम हसते थे। बात करते थे, सवाल पूछते थे। लेकिन, इस बार जैसे सभी ने युप रहने का मन बना लिया था। मां आशा शुक्ला की आंखों से लगातार आसू बहते रहे। उन्होंने कहा, मैं कुछ बोल नहीं पाई। बस उसकी आवाज सुनी और रोती रही। वो जानता था कि मैं रो रही हूं, लेकिन किर भी शब्द नहीं रहा। हमें डांडास देता रहा। कहना रहा कि सब ठीक होगा। परिवार ने माना कि यह कॉल भले ही भावुक थी, लेकिन उसी ने उन्हें हम्मत भी दी। मां आशा शुक्ला कहती है, वो सरक्ष लग रहा था, उसकी आंखों में चमक थी। उस कॉल ने हमारे बहुत सारे डर मिटा दिए।



शुभांशु शुक्ला की वापसी के बाद केक काटकर जश्न मनाते माता-पिता और अन्य परिजन।

मां रो पड़ी, पिता ने लहराया तिरंगा

शुभांशु शुक्ला सहित बार एस्ट्रोनॉट 20 दिन अंतरिक्ष यात्रा के बाद पृथ्वी पर लौट आए हैं। शुभांशु के सुकूशल लौटने पर उनका परिवार बैहद खुश है। लखनऊ के सीएमएस स्कूल में माता-पिता ने बेटे की लाइव लैंडिंग देखी। यह क्षण परिवार के लिए भावुक और गर्व से भर देने वाला था। पिता शम्भू दयाल मुरकारते हुए तिरंगा लहराकर बेटे का हासला बढ़ा रहे थे।

शुभांशु के 17 अगस्त तक भारत आने की संभावना

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि गुप्त कैटन शुभांशु शुक्ला के मिशन बाद की कई प्रक्रियाओं को पूरा करने के बाद 17 अगस्त तक भारत पहुंचने की उमीद है। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि कुछ मात्रक संचालन प्रक्रियाओं का पालन किया जाना है... उनका पुर्वांस, डीबीफिंग सत्र और इसरो की टीम के साथ कई चर्चाएं। हम 17 अगस्त तक उनके दिल्ली पहुंचने की उमीद कर सकते हैं। इस मिशन को "अभूतर्व" बताते हुए सिंह ने कहा कि केंद्रीय प्रयोगशाला में अपने प्राप्तास के दौरान शुक्ला द्वारा किए गए प्रयोग मानव अस्तित्व और सुक्ष्म गुरुत्वाकर्षण में जीवन से निकटता से जुड़े हैं। उन्होंने कहा, "ये प्रयोग न केवल भारतीयों के लिए, बल्कि पूरी मानवता के लिए उपयोगी होंगे।"



शुभांशु शुक्ला और तीन अन्य कूद सदस्यों के मंगलवार को सफलतापूर्वक पृथ्वी पर लौटने पर मुरादाबाद के स्कूलों में जश्न मनाते छात्र।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुभांशु के पिता से बात कर कहा- पूरे देश को है गर्व

लखनऊ। रक्षा मंत्री और लखनऊ के सांसद राजनाथ सिंह ने गुप्त कैटन शुभांशु शुक्ला की अंतरिक्ष में रिकॉर्ड बनाकर धरती पर वापसी पर खुशी और गर्व व्यक्त किया और लखनऊ में शुभांशु के पिता से फोन पर बात कर करा कि पूरे देश को उनके प्रत्यक्ष पार्ट है। शुभांशु 18 दिन बाद अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से पृथ्वी पर लौटे हैं।

राजनाथ सिंह ने एकस पर एक पोर्ट में लिखा कि गुप्त कैटन शुभांशु शुक्ला की ऐतिहासिक प्रविशओ-4 मिशन से सफल वापसी हर भारतीय के लिए गर्व का क्षण है। उन्होंने कैटन शुभांशु को अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) की यात्रा के बाद पृथ्वी पर सफलतापूर्वक बनाए गए अंतरिक्ष यात्रियों को छुआ है, बल्कि यह भारत की बढ़ती यात्री और वैज्ञानिकों के लिए एक राष्ट्रीय अवधि है। उन्होंने एक राष्ट्रीय अवधि के लिए बाहरी देश का गौरव बढ़ाया है।



शुक्ला ने भारत का गौरव बढ़ाया, वैज्ञानिकों ने किर से विश्वास जगाया : अमित शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुप्त कैटन शुभांशु शुक्ला को अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) की

एक नजर

विद्युत बिल संबंधी समस्या
समाधान के लिए कैप कल से
बलरामपुर। विद्युत वितरण खंड
बलरामपुर द्वारा सभी 33/11 कब
विद्युत उपकरण बलरामपुर टाइग्र और
टोला, नहर बांधा, हरिहरगंगा,
महाराजगंग ताराई, रेस्ट पार हास्पुर
एवं 132/33/11 की ओर लिपट केनाल,
इंडिप्रॉपर के उपयोगकारी को
माहात्म्य निर्गत होने पर विद्युत बिल से
संबंधित समस्या के समाधान के लिए
अधिकारी अधिकारी विद्युत वितरण
खंड बलरामपुर कार्यालय में तीन
दिवाली वार्ष 19, 19 जुलाई का प्रातः
10:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक
मेंगा कैप का आयोग किया जाएगा।

बदमाशों ने इच्छी नकदी

उत्तराल। कानोनी क्षेत्र में बिनदाहो
बुलेट सराव बदमाशों ने एक अंडे
व्यवित से 20 हजार रुपये की नकदी
छीन ली। बादात के बाद से क्षेत्र में
दहशत का महोल है। अपकी बढ़हरा
निवासी सलम पुरा महामद उपर
ने कोतवाली में दुकान कर्ता तरहीर में
वह किंतु कार्य के बाहर जा रहा था,
तभी बुलेट भौतरासीकिल
सवार दो अंडात युवकों ने उसके पास
पहुंचकर 20,000 की नकदी छीन ली
और मोके से फरार हो गए। उत्तराल
कोतवाली प्रभारी अवधेश राज ने बताया
कि घटना की जांच की जा रही है।

साट-संक्षेप



प्रथम स्थान पाने वाले आईटीआई प्रशिक्षण सम्मानित
प्रियकास मन्दिर बलरामपुर

प्रथम स्थान पाने वाले मेधावी को सम्मानित करते सदर विधायक। अमृत विचार
बलरामपुर। युगा कांशल दिवस के अवसर पर विकास भवन सभागार में जिला
स्तरीय कार्यक्रम का आयोगन किया गया। कार्यक्रम में सदर विधायक पलट गम व
मुख्य विकास अधिकारी हमंगु गुप्ता योग्य रहे। कांशल विकास मिशन के तहत
आयोगीय कार्यक्रम में जयकांग प्रशिक्षण संस्थानों के नन प्रशिक्षुओं
को प्रशान्न पत्र वितरित किया गया। जिसमें जनान द्वारा में प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रथम
स्थान प्राप्त करने वाले अधिकारी में कॉप ट्रेड में शिवम गिराना 91.83%, फिटर
ट्रेड में कुमारी मुख्यकाना ने 86.66%, आरएसी ट्रेड में शेखर भारती ने 86.25%, और
बेल्टर ट्रेड में रजनीश साह 86%। प्लंबर ट्रेड में दीपक वीरसिया ने 85.66% और
टर्नर ट्रेड में भीष्म जिंजिर विश्वकर्मा ने 85.41%। कॉप प्राप्त किया। इस सभी प्रशिक्षुओं
को प्रशान्न पत्र देकर भीष्म विश्वकर्मा की कामना की गयी। कार्यक्रम में आईटीआई उत्तराल और विकास भवन विश्राम के प्रणालीय मैथिली
शरण, फोरन वीरेंद्र सिंह, अशीष भूषण, अनुष्ठान कृष्ण देव यादव, अमित कुमार
भारती, मुकेश सिंह, लालजी गुप्ता, बलबीर सिंह, अविनाश यादव, सुनीव प्रजापति,
चंदन गावद सहित अन्य अनुदेशक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में युवाओं को कौशल
आवासित प्रशिक्षण के रोजगार से जिजोने के लिए जासूसक किया गया।

आजीविका निशन की धीरी प्रगति पर कड़ा छात्र

गोड़ा : राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्कात प्राप्त धनराशि के सम्पूर्णत
उपयोग में हो रही दीरी पर गंभीर विचार जिले तहुं प्रतिविधिका ने कार्य में तेजी लाने
और शोध विद्यार्थी के तकाल उपयोग का निशन दिया है। गोड़ा को आजीविका मिशन
के अंतर्कात 37.87 करोड़ की योग्यीता एवं कालक वर्ग की ताकि विद्यार्थी कार्यक्रम
विद्यार्थी ही व्यय के लिए गए हैं। अपीली 8.18 करोड़ की राशि आयुक्त पड़ी है। जिसमें
शामिल रहे तरह पर भरत संकार को उपयोगिता प्राप्तिपत्र भेजने में बड़ा उत्पन्न हो रही है। जिलाधिकारी ने मिशन निदेशक के निर्देशों का वाला देने हुए उपयोगकृत,
राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन को आदेशित किया है कि कार्य में युद्धकर पर
तेजी लाने हुए एक सपाह के भीतर शान्त-प्रविशत लक्ष्य की पूर्ण सुनिश्चित की जाए। इसके
अंतर्कात उद्देश्य निशन के तहत वाला जिला विद्यालय की अन्य प्राविलोगी की वसुली
अधिकारी सुनील कुमार द्वारा जांच की जा रही है। जांच के बाद उन किसानों के भी
विलंब होने पर अथवा भुगतान सुनिश्चित करने के लिए माझिकों स्पॉल
एंड मीडियम इंटरप्राइज डेवलपमेंट एक्ट के तहत माझिकों
स्पॉल एंड मीडियम एंटरप्राइज जेजिलिटेशन कार्यालय का गठन किया गया है।

40 किसानों को 55 लाख का कृषि ऋण वितरित

रुपन्धीद्वारा : उत्तराल देवीजिल विद्यालय के अंतर्कात प्राप्त धनराशि के सम्पूर्णत
उपयोग में हो रही दीरी पर गंभीर विचार जिले तहुं प्रतिविधिका ने कार्य में तेजी लाने
और शोध विद्यार्थी के तकाल उपयोग का निशन दिया है। गोड़ा को आजीविका मिशन
के अंतर्कात 37.87 करोड़ की योग्यीता एवं कालक वर्ग की ताकि विद्यार्थी कार्यक्रम
विद्यार्थी ही व्यय के लिए गए हैं। अपीली 8.18 करोड़ की राशि आयुक्त पड़ी है। जिसमें
शामिल रहे तरह पर भरत संकार को उपयोगिता प्राप्तिपत्र भेजने में बड़ा उत्पन्न हो रही है। जिलाधिकारी ने मिशन निदेशक के निर्देशों का वाला देने हुए उपयोगकृत,
राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन को आदेशित किया है कि कार्य में युद्धकर पर
तेजी लाने हुए एक सपाह के भीतर शान्त-प्रविशत लक्ष्य की पूर्ण सुनिश्चित की जाए। इसके
अंतर्कात उद्देश्य निशन के तहत वाला जिला विद्यालय की अन्य प्राविलोगी की वसुली
अधिकारी सुनील कुमार द्वारा जांच की जा रही है। जांच के बाद उन किसानों के भी
विलंब होने पर अथवा भुगतान सुनिश्चित करने के लिए माझिकों स्पॉल
एंड मीडियम इंटरप्राइज डेवलपमेंट एक्ट के तहत माझिकों
स्पॉल एंड मीडियम एंटरप्राइज जेजिलिटेशन कार्यालय का गठन किया गया है।

गोड़ा : लघु उद्योग भारती के जिला अध्यक्ष अनिल जिजासु



को उत्तराल देवीजिल विद्यालय के सूचनाएं भुगतान लघु उद्योग विद्यार्थी

देवीजिल विद्यालय के देवीजिल विद्यालय के सूचनाएं भुगतान लघु उद्योग विद्यार्थी

देवीजिल विद्यालय के देवीजिल विद्यालय के सूचनाएं भुगतान लघु उद्योग विद्यार्थी

देवीजिल विद्यालय के देवीजिल विद्यालय के सूचनाएं भुगतान लघु उद्योग विद्यार्थी

देवीजिल विद्यालय के देवीजिल विद्यालय के सूचनाएं भुगतान लघु उद्योग विद्यार्थी

देवीजिल विद्यालय के देवीजिल विद्यालय के सूचनाएं भुगतान लघु उद्योग विद्यार्थी

देवीजिल विद्यालय के देवीजिल विद्यालय के सूचनाएं भुगतान लघु उद्योग विद्यार्थी

देवीजिल विद्यालय के देवीजिल विद्यालय के सूचनाएं भुगतान लघु उद्योग विद्यार्थी

देवीजिल विद्यालय के देवीजिल विद्यालय के सूचनाएं भुगतान लघु उद्योग विद्यार्थी

देवीजिल विद्यालय के देवीजिल विद्यालय के सूचनाएं भुगतान लघु उद्योग विद्यार्थी

देवीजिल विद्यालय के देवीजिल विद्यालय के सूचनाएं भुगतान लघु उद्योग विद्यार्थी

देवीजिल विद्यालय के देवीजिल विद्यालय के सूचनाएं भुगतान लघु उद्योग विद्यार्थी

देवीजिल विद्यालय के देवीजिल विद्यालय के सूचनाएं भुगतान लघु उद्योग विद्यार्थी

देवीजिल विद्यालय के देवीजिल विद्यालय के सूचनाएं भुगतान लघु उद्योग विद्यार्थी

देवीजिल विद्यालय के देवीजिल विद्यालय के सूचनाएं भुगतान लघु उद्योग विद्यार्थी

देवीजिल विद्यालय के देवीजिल विद्यालय के सूचनाएं भुगतान लघु उद्योग विद्यार्थी

देवीजिल विद्यालय के देवीजिल विद्यालय के सूचनाएं भुगतान लघु उद्योग विद्यार्थी

देवीजिल विद्यालय के देवीजिल विद्यालय के सूचनाएं भुगतान लघु उद्योग विद्यार्थी

देवीजिल विद्यालय के देवीजिल विद्यालय के सूचनाएं भुगतान लघु उद्योग विद्यार्थी

देवीजिल विद्यालय के देवीजिल विद्यालय के सूचनाएं भुगतान लघु उद्योग विद्यार्थी

देवीजिल विद्यालय के देवीजिल विद्यालय के सूचनाएं भुगतान लघु उद्योग विद्यार्थी

देवीजिल विद्यालय के देवीजिल विद्यालय के सूचनाएं भुगतान लघु उद्योग विद्यार्थी

देवीजिल विद्यालय के देवीजिल विद्यालय के सूचनाएं भुगतान लघु उद्योग विद्यार्थी

देवीजिल विद्यालय के देवीजिल विद्यालय के सूचनाएं भुगतान लघु उद्योग विद्यार्थी

देवीजिल विद्यालय के देवीजिल विद्यालय के सूचनाएं भुगतान लघु उद्योग विद्यार्थी

देवीजिल विद्यालय के देवीजिल विद्यालय के सूचनाएं भुगतान लघु उद्योग विद्यार्थी

देवीजिल विद्यालय के देवीजिल विद्यालय के सूचनाएं भुगतान लघु उद्योग विद्यार्थी

देवीजिल विद्यालय के देवीजिल विद्यालय के सूचनाएं भुगतान लघु उद्योग विद्यार्थी

विद्यां ददिति विनयं विनायद् याति पापत्राम्।

पत्रावात् धनमान्जोति बनात् धर्मं ततः सुखम्॥

ज्ञानविनिष्ठा प्रदान करता है, विनिष्ठा से योग्यता आती है और योग्यता से धनप्राप होता है, जिससे व्यक्ति धर्म के कार्य करता है और सुखी रहता है।

संपादकीय

नवाचार का केंद्र



विवेक शुक्ला

वरिष्ठ पत्रकार

अब नौकरी ही नहीं बिजनेस भी करेगा बिहार

अभी कुछ समय पहले मुंबई से पटना की फ्लाइट में साथ की सीट में एक नौजवान लैपटॉप पर काम कर रहा था। फिर हमारी बातचीत होने लगी। उसने बताया कि वो शेयर मार्केट एक्सपर्ट है और पटना से अपना दफ्तर चलाता है। उसके स्टाफ में आठ लोग हैं। उसका काम के सिलसिले में मुंबई आना-जाना लगा रहता है। उसने यह भी कहा कि एक दौर में वो और उसके बहुत सारे दोस्त सरकारी नौकरी करना चाहते थे। पर किस लगा कि अब कुछ अपना जाना चाहिए। कारण यह सरकारी नौकरियों घट रही हैं और उन्हें पाना भी आसान नहीं है। इरआसल ये बिहार में बड़े स्तर पर हो रहा है। बिहारी नौजवान अब अपना कारोबार शुरू करने के बारे में सोचने लगे और उस दिशा में बढ़ रहे हैं। वे कारोबारी दुनिया में बेहतर कमा रहे हैं।

यह भी याद रखा जाए कि बिहार में निजी क्षेत्र का निवेश भी होने लगा है। पिछले साल दिसंबर में बिहार की राजधानी पटना में आयोजित इनवेस्ट समिट के दौरान अडानी समूह, सन पेट्रोकेमिकल्स और कई अन्य बड़ी-छोटी कंपनियों ने राज्य में 1.81 लाख करोड़ रुपये का निवेश प्रणाली से जोड़ा और ब्रॉचार पर ऐसा 24.9 अरब डॉलर तक पहुंचा-जो आईटी, फार्मासी, रसन-आधूत, कृषि और इंजीनियरिंग क्षेत्र में मजबूत प्रदर्शन का परिणाम है।

भारत अब 'दुनिया की फार्मसी' और एक ग्लोबल टेक पावर हाउस के रूप में जाना जाता है। प्रधानमंत्री जनधन योजना के अंतर्गत 2024 तक 53.13 करोड़ से अधिक बैंक खाते, उज्ज्वला योजना के अंतर्गत 11 करोड़ से अधिक गैस कनेक्शन, और आयुष्मान भारत योजना के माध्यम से 50 करोड़ से अधिक लोगों को स्वास्थ्य सुरक्षा दी गई। यह दिखाता है कि भारत का आर्थिक विकास समावेशीता पर आधारित है। आज भारत को पूरी दुनिया स्प्रिट्रता, नवाचार और अवसरों के केंद्र के रूप में देख रही है। वैश्वक विश्लेषकों का अनुमान है कि अगर यह रफ़तार बरकरार रही तो भारत 2027 तक जर्मनी को पैदे-बड़ेते नके तीसरी सबसे बड़ी अंतर्वर्षस्था बन सकता है। भारत की यह उपलब्धि सिफ़र एक अर्थिक सफलता नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों के सामूहिक प्रयासों, आकाशाओं और आत्मबल की जीत है।

भारत अब 'दुनिया की फार्मसी' और एक ग्लोबल टेक पावर हाउस के रूप में जाना जाता है। प्रधानमंत्री जनधन योजना के अंतर्गत 2024 तक 53.13 करोड़ से अधिक गैस कनेक्शन, और आयुष्मान भारत योजना के माध्यम से 50 करोड़ से अधिक लोगों को स्वास्थ्य सुरक्षा दी गई। यह दिखाता है कि भारत का आर्थिक विकास समावेशीता पर आधारित है। आज भारत को पूरी दुनिया स्प्रिट्रता, नवाचार और अवसरों के केंद्र के रूप में देख रही है। वैश्वक विश्लेषकों का अनुमान है कि अगर यह रफ़तार बरकरार रही तो भारत 2027 तक जर्मनी को पैदे-बड़ेते नके तीसरी सबसे बड़ी अंतर्वर्षस्था बन सकता है। भारत की यह उपलब्धि सिफ़र एक अर्थिक सफलता नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों के सामूहिक प्रयासों, आकाशाओं और आत्मबल की जीत है।

यह भी याद रखा जाए कि बिहार में निजी क्षेत्र का निवेश भी होने लगा है। पिछले साल दिसंबर में बिहार की राजधानी पटना में आयोजित इनवेस्ट समिट के दौरान अडानी समूह, सन पेट्रोकेमिकल्स और कई अन्य बड़ी-छोटी कंपनियों ने राज्य में 1.81 लाख करोड़ रुपये का निवेश करने का वादा किया। यह निवेश नवीकारणीय ऊर्जा, सीमेंट, खाद्य प्रसंस्करण और विनियमांग जैसे क्षेत्रों में होगा। इससे पहले 2023 में आयोजित पहले निवेशक सम्मेलन में बिहार में 50,300 करोड़ रुपये के निवेश का वादा मिला था।

सन पेट्रोकेमिकल्स 36,700 करोड़ रुपये ऊर्जा कंपनीजार्नाओं, जैसे पंप हाइड्रो और सौर संयंत्रों में निवेश करेगी। अडानी समूह, जो राज्य में सरकार के बहुत लगता है, न लगभग 28,000 करोड़ रुपये निवेश करने का वादा किया है। यह निवेश एक अत्याधिक थर्मल पावर प्लांट स्थापित करने के बाद उत्पादन क्षमता बढ़ाने, खाद्य प्रसंस्करण और उत्पादन क्षमता बढ़ाने के विस्तार में किया जाएगा।



बिहार के उद्योग जगत पर नजर रखने वाले जानते हैं कि यहां से ही अनिल अग्रवाल (वेदांता समूह), आर.के.सिन्हा (एसआईएस सिक्योरिटी), संप्रदा सिंह एल्केम लैबोरेटरीज, आनंद कुमार (सुपर 30) जैसे बड़े कारोबारी निकले। इस सूची में कुछ नाम और भी शामिल किए जा सकते हैं और आने वाले समय में यह सूची बहुत लंबी होगी क्योंकि अब बिहारी नौजवान बदलने लगा है। उसे सरकार का साथ भी मिल रहा है।

यही एकमात्र विकल्प मानने की मानसिकता में कमी आई है। दूसरा, यह कि डिजिटलीकरण और मोबाइल एप आधारित वित्तीय सेवाओं ने ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंच बना ली है। जेडॉडा, ग्रो और अपस्टाक्स जैसे प्लेटफॉर्म्स ने न केवल जानकारी को सहज बनाया है, बल्कि निवेश को भी सरल बना दिया है। आज समर्तीपुर का एक छोटा कारोबारी और दरमानों की एक गृहीय म्यूचुअल फंड में निवेश कर रही है। यह बदलाव छोटे दिशे सकते हैं, लेकिन इन्हें करोड़ों लोगों की आदत में सुपारा कर लिया जाए, तो इसका प्रभाव देश की पूरी आर्थिक संरचना पर पड़ता है। बिहार के इस बदलाव का संबंध शिक्षा और सचिना तक पहुंच से भी है। बीते एक दशक से राज्य में उच्च शिक्षा संस्थानों की संख्या में वृद्धि हुई है। स्टार्टअपों और इंटर्नेट ने ग्रामीण युवाओं को वैश्विक दुनिया से जोड़ा है। सोशल मीडिया और यूट्यूब जैसे माध्यमों ने जानकारी को लोकतात्रक बना दिया है। अब नित्य निर्णयी केवल विशेषज्ञों का क्षेत्र नहीं रहा। आम जनता भी शेयर बाजार, म्यूचुअल फंड, बीमा और एक्सेस बैंकिंग जैसी चीजों में रुचि ले रही है। यह समझना भी जरूरी है कि भारत का आर्थिक विकास के लिए जोड़ा है। सोशल मीडिया और यूट्यूब के लिए सामाजिक शिक्षा और विनियमांग जैसी नीति निर्माण की समझ बढ़ावा देने की ज़रूरत है। अब नित्य निर्माण के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा योजना की ज़रूरत है। यह जल्दी से जारी की जाएगी।

यही एकमात्र विकल्प मानने की मानसिकता में कमी आई है। दूसरा, यह कि डिजिटलीकरण और मोबाइल एप आधारित वित्तीय सेवाओं ने ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंच बना ली है। जेडॉडा, ग्रो और अपस्टाक्स जैसे प्लेटफॉर्म्स ने न केवल जानकारी को सहज बना दिया है, बल्कि निवेश को भी सरल बना दिया है। आज समर्तीपुर का एक छोटा कारोबारी और दरमानों की एक गृहीय म्यूचुअल फंड में निवेश कर रही है। यह बदलाव छोटे दिशे सकते हैं, लेकिन इन्हें करोड़ों लोगों की आदत में सुपारा कर लिया जाए, तो इसका प्रभाव देश की पूरी आर्थिक संरचना पर पड़ता है। बिहार के इस बदलाव का संबंध शिक्षा और सचिना तक पहुंच से भी है। बीते एक दशक से राज्य में उच्च शिक्षा संस्थानों की संख्या में वृद्धि हुई है। स्टार्टअपों और इंटर्नेट ने ग्रामीण युवाओं को वैश्विक दुनिया से जोड़ा है। सोशल मीडिया और यूट्यूब जैसे माध्यमों ने जानकारी को लोकतात्रक बना दिया है। अब नित्य निर्णयी केवल विशेषज्ञों का क्षेत्र नहीं रहा। आम जनता भी शेयर बाजार, म्यूचुअल फंड, बीमा और एक्सेस बैंकिंग जैसी चीजों में रुचि ले रही है। यह समझना भी जरूरी है कि भारत का आर्थिक विकास के लिए जोड़ा है। सोशल मीडिया और यूट्यूब के लिए सामाजिक शिक्षा और विनियमांग जैसी नीति निर्माण की समझ बढ़ावा देने की ज़रूरत है। अब नित्य निर्माण के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा योजना की ज़रूरत है। यह जल्दी से जारी की जाएगी।

यही एकमात्र विकल्प मानने की मानसिकता में कमी आई है। दूसरा, यह कि डिजिटलीकरण और मोबाइल एप आधारित वित्तीय सेवाओं ने ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंच बना ली है। जेडॉडा, ग्रो और अपस्टाक्स जैसे प्लेटफॉर्म्स ने न केवल जानकारी को सहज बना दिया है, बल्कि निवेश को भी सरल बना दिया है। आज समर्तीपुर का एक छोटा कारोबारी और दरमानों की एक गृहीय म्यूचुअल फंड में निवेश कर रही है। यह बदलाव छोटे दिशे सकते हैं, लेकिन इन्हें करोड़ों लोगों की आदत में सुपारा कर लिया जाए, तो इसका प्रभाव देश की पूरी आर्थिक संरचना पर पड़ता है। बिहार के इस बदलाव का संबंध शिक्षा और सचिना तक पहुंच से भी है। बीते एक दशक से राज्य में उच्च शिक्षा संस्थानों की संख्या में वृद्धि हुई है। स्टार्टअपों और इंटर्नेट ने ग्रामीण युवाओं को वैश्विक दुनिया से जोड़ा है। सोशल मीडिया और यूट्यूब जैसे माध्यमों ने जानकारी को लोकतात्रक बना दिया है। अब नित्य निर्माण के लिए एक सामाजिक शिक्षा और विनियमांग जैसी नीति निर्माण की समझ बढ़ावा देने की ज़रूरत है। यह जल्दी से जारी की जाएगी।

यही एकमात्र विकल्प मानने की मानसिकता में कमी आई है। दूसरा, यह कि डिजिटलीकरण और मोबाइल एप आधारित वित्तीय सेवाओं ने ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंच बना ली है। जेडॉडा, ग्रो और अपस्टाक

